(3)

GREENLAWNS HIGH SCHOOL
TERMINAL EXAMINATION 2017-18

SUB : HINDI **CLASS : X**
TIME : 3 HOURS **MARKS : 80**

Answer to this paper must be written on the paper provided separately. You will not be allowed to write during the first 10 minutes. This time is to be spent in reading the question paper. The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

This paper comprises of two section: Section A and Section B.

Attempt all the questions from section A attempt any four questions from section B. answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions.

[SECTION - A - 40 MARKS]

प्रश्न. १. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग २५० शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:- (१५)

१) प्रत्येक स्वतंत्र राष्ट्र के कुछ प्रतीक होते हैं। ये प्रतीक उस राष्ट्र की पहचान होते हैं। राष्ट्र ध्वज, राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, राष्ट्रचिह्न, राष्ट्रीय पक्षी और राष्ट्रीय पशु का उल्लेख करते हुए एक लेख लिखिए।

२) आपके किसी मित्र ने किसी चलचित्र (फिल्म) की अत्यन्त प्रशंसा की जिसके कारण आप भी उस चलचित्र को देखने गए। आपको उस चलचित्र की कौन-सी बात प्रशंसनीय लगी ? वर्णन कीजिए।

३) अपने मित्र की उस आदत का वर्णन कीजिए जो आपको पसंद नहीं तथा जिससे आपकी दोस्ती पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

४) एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका अन्त इस प्रकार हो - 'और इस तरह से मैं बच गया।''

५) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और मन में उभरते विचार कहानी अथवा लेख के रुप में लिखिए। आपकी कहानी या लेख का सीधा संबंध चित्र से होना अवश्यक है।

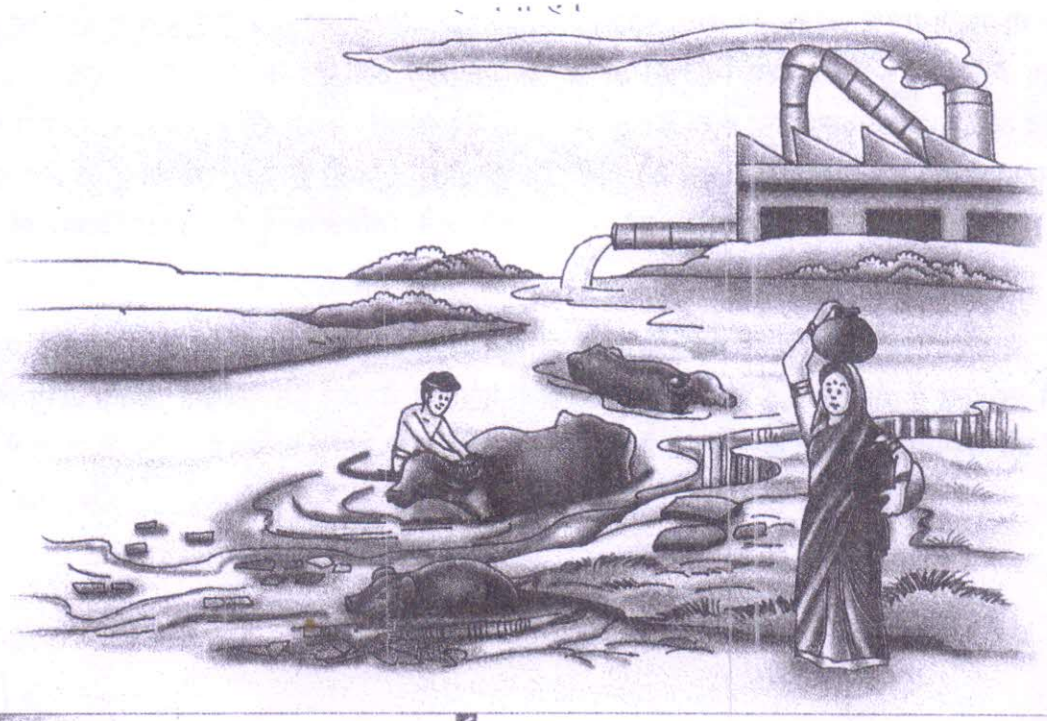

प्रश्न 2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए :- (७)

१) आपकी कक्षा की अनुशासन हीनता एवं अभद्र व्यवहार के कारण आपकी प्रधानाचार्या आपकी कक्षा से बहुत नाराज हैं। आप सारी कक्षा की ओर से किए गए दुर्व्यवहार की क्षमा माँगते हुए पत्र लिखिए।

२) अपने मित्र को पत्र लिखकर अपनी दुर्घटना के विषय में बताइए ।

प्रश्न ३. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

एक कुएँ में एक मेंढक रहता था। एक बार समुद्र का एक मेंढक कुएँ में आ पहुँचा तो कुएँ के मेंढक ने उसका हालचाल, अतापता पूछा। जब उसे ज्ञात हुआ कि वह मेंढक समुद्र में रहता है और समुद्र बहुत बड़ा होता है तो उसने अपने कुएँ के पानी में एक छोटा-सा चक्कर लगाकर उस समुद्र के मेंढक से पूछा कि क्या समुद्र इतना बड़ा होता है। कुएँ का मेंढक चक्कर बड़ा करता गया और अंत में उसने कुएँ की दीवर के सहारे-सहारे आखिरी चक्कर लगाकर पूछा- '' क्या इतना बड़ा है तेरा समुद्र?'' इस पर समुद्र के मेंढक ने कहा- '' इससे भी बहुत बड़ा ।'' अब तो कुएँ के मेंढक को क्रोध ही आ गया। कुएँ के अतिरिक्त उसने बाहर की दुनिया तो देखी ही नहीं थी। उसने कह दिया- '' जा, तू झूठ बोलता है। कुएँ से बड़ा कुछ होता ही नहीं। समुद्र भी कुछ नही होता है, तू बकता है।''

कुएँ के मेंढक वाली कथा इस प्रसंग में चरितार्थ होती है कि जितना अध्ययन होगा उतना अपने अज्ञान का आभास होगा। आज जीवन में पग-पग पर हमें ऐसे कुएँ के मेंढक मिल जाएँगे, जो केवल यही मानकर बैठे हैं कि जितना वे जानते हैं, उसी का नाम ज्ञान है, उसके इधर-उधर और बाहर कुछ भी ज्ञान नहीं है। लेकिन, सत्य तो यह है कि सागर की भाँति ज्ञान की भी कोई सीमा नहीं है। अपने ज्ञानी होने के अज्ञानमय भ्रम को यदि तोड़ना हो तो अधिक से अधिक अध्ययन करना आवश्यक है। जितना अधिक अध्ययन किया जाएगा, भ्रम टूटेगा और ऐसा आभास होगा कि अभी तो बहुत कुछ जानना और पढ़ना शेष है।

अध्ययन के विभाग भी तो अनेक हैं। विज्ञान, भूगोल, इतिहास, अर्थशास्त्र, धर्म, दर्शन, साहित्य आदि ऐसे विभाग हैं जिनके एक भी उपविभाग में व्यक्ति सम्पूर्णता प्राप्त नहीं कर सकता तो अनन्त विभागों में सम्पूर्ण होने का प्रश्न ही कहाँ उठता है? हाँ, इतना अवश्य निश्चित है कि अधिकाधिक अध्ययन करते रहने से एक मानसिक परितोष, आनंद और शान्ति अवश्य प्राप्त होती है। उसके आगे और अध्ययन करने की जिज्ञासा भी उत्पन्न होती है। अधिक अध्ययन करने से मनुष्य के हृदय की संकीर्णता समाप्त हो जाती है तथा उसका दृष्टिकोण उदार होता जाता है। सतत अध्ययनशीलता और दृष्टि की उदारता शनैः शनैः व्यक्ति को पूर्णता और पवित्रता की ओर ले जाती है।

सतत अध्ययन एक ओर नई दिशाएँ देता है तो दूसरी ओर पुरानी मान्यताएँ दूर कर नई स्वस्थ मान्यताओं की स्थापना में भी सहायक होता है। उदाहरणार्थ भारत में बैठकर हम पश्चिमी अथवा अन्य किसी समाज व राष्ट्र की सभ्यता की निन्दा करते रहते हैं, अध्ययन करते हैं, तो हमारी मान्यताएँ बदल भी जाती हैं।

Section – B – 40 Marks
(Attempt any four questions)

साहित्य सागर

गद्य

प्रश्न ५. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

''तुम्हारा कठोर व्रत, वैधव्य का आदर्श देखकर मेरे हृदय में विश्वास हुआ कि मनुष्य अपनी वासनाओं का दमन कर सकता है, किन्तु तुम्हारा अवलंब बड़ा दृढ़ है। ———— मेरी महत्वाकांक्षा, मेरे उन्नतिशील विचार मुझे बराबर दौड़ाते रहे।

१) ''तुम्हारा अवलंब बड़ा दृढ़ है।'' यह कथन किसने, किससे और क्यों कहा? (२)

२) 'महत्वाकांक्षा'ने किसे और कहाँ दौड़ाया? समझाकर लिखिए। (२)

३) वक्ता के इस कथन से उसकी स्वभावगत विशेषताओं के विषय में क्या ज्ञात होता हैं? (३)
अवतरण के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

४) कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। (३)

प्रश्न ६. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

''आखिर भेड़िए ने वन-प्रदेश की पंचायत के चुनाव की बात बूढ़े सियार को समझाई और बड़े गिरे मन से कहा, ''चुनाव अब पास आता जा रहा है, अब वहाँ से भागने के सिवा कोई चारा नहीं, पर जाएँ भी कहाँ?''

१) भेड़िए को बूढ़े सियार के समक्ष पंचायत के चुनाव की बात कब और क्यों प्रकट करनी पड़ी? (२)

२) बूढ़े सियार ने क्या कहकर भेड़िए को आश्वस्त किया? (२)

३) भेड़िए की बात सुनकर बूढ़े सियार ने उसे क्या सलाह दी, और भेड़िए ने उसे क्या उत्तर दिया? समझाकर लिखिए। (३)

४) प्रजातंत्र से क्या आशय है? वन में प्रजातन्त्र की स्थापना के पीछे क्या कारण था? समझाकर लिखिए। (३)

प्रश्न ७. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

''अजी, ये पहाड़ी बड़े शैतान होते हैं। बच्चे-बच्चे में अवगुण छिपे रहते हैं। आप भी क्या अजीब हैं। उठा लाए कहीं से –लो जी यह नौकर लो।''

१) वक्ता का संक्षिप्त परिचय दीजिए? (२)

२) 'आप भी क्या अजीब हैं' - किसने, किसे और कब कहा? (२)

३) 'बाल मजदूरी एक अपराध है।'' इसपर अपने विचार व्यक्त कीजिए। (३)

४) वकील साहब के मना करने पर लेखक व उसके मित्र ने लड़के की सहायता क्यों नहीं की? स्पष्ट कीजिए। (३)

सतत अध्ययन मनुष्य की आंतरिक सत्प्रवृत्तियों को विकसित करता है; शारीरिक, मानसिक और आत्मिक उन्नति द्वारा मनुष्य की पाशविक प्रवृत्तियों को दूर कर उसे शुद्ध और पवित्र बनाता है; मनुष्य को सच्चे अर्थो में मनुष्यता की प्राप्ति कराता है।

१) कुएँ के मेंढक ने समुद्र की विशालता का अनुमान किस प्रकार किया और क्यों ? (२)

२) कुएँ के मेंढक को क्रोध कब और क्यों आया ? (२)

३) अपने ज्ञानी होने के भ्रम को कैसे तोड़ा जा सकता है ? (२)

४) अधिकाधिक अध्ययन से क्या लाभ होते हैं ? (२)

५) कुएँ में मेंढ़क वाली कथा क्या स्पष्ट करती है ? (२)

प्रश्न ४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:-

१) निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए:- (१)

भारत, पहाड़

२) किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए:- (१)

सरस्वती, मदिरा

३) भाववाचक संज्ञा बनाइए:- (१)

अनुचित , नारी

४) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए:- (१)

अलौकिक, प्रसन्न

५) किसी एक मुहावरे से वाक्य बनाइए:- (१)

रँगा सियार, थाली का बैगन

६) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तित कीजिए:- (३)

१)मेरी सूखी पत्तियों को जलाने से मच्छर भाग जाते हैं।

(————————— जलाते हैं। से वाक्य का अंत कीजिए।)

२) पापक को यह सुनकर आश्चर्य हुआ।

('आश्चर्य ' के स्थान पर 'चकित' का प्रयोग कीजिए।)

३) भारत पर विजय प्राप्त करना संभव नहीं है।

(बिना अर्थ बदले 'नहीं हटाइए)

पद्य

प्रश्न ८. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

'जीवन अपूर्ण लिए हुए,
पाता कभी, खोता कभी
आशा-निराशा से घिरा,
हँसता कभी रोता कभी।
गति-मति न हो अवरुद्ध, इसका ध्यान आठों याम है।
चलना हमारा काम हैं।
इस विशद विश्व-प्रवाह में
किसको नहीं बहना पड़ा
सुख-दुख हमारी ही तरह
किसको नहीं सहना पड़ा।
फिर व्यर्थ क्यों कहता फिरूँ मुझपर विधाता वाम है।
चलना हमारा काम है।

१) कवि ने जीवन को अपूर्ण क्यों कहा है ? स्पष्ट कीजिए। (२)

२) कवि को सदैव किस बात का ध्यान रहता है और क्यों ? (२)

३) 'फिर व्यर्थ क्यों कहता फिरूँ मुझपर विधाता वाम है' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। (३)

४) अर्थ लिखिए :- (३)

अपूर्ण, मति, अवरुद्ध, विशद, वाम , व्यर्थ

प्रश्न ९. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

''वह जन्म भूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी
ऊँचा खड़ा हिमालय आकाश चूमता है,
नीचे चरण तले पड़, नित सिंधु झूमता है।
गंगा, यमुना, त्रिवेणी, नदिया लहर रही हैं।
जगमग छटा निराली, पग-पग पर छहर रही हैं।
वह पुण्य भूमि मेरी, वह स्वर्ण भूमि मेरी।''

१) 'हिमालय' की क्या विशेषता है ? स्पष्ट कीजिए। (२)

२) कवि ने सिंधु के संबंध में क्या कहा है ? समझाकर लिखिए। (२)

३) प्रस्तुत कविता का मूल-भाव लिखिए (३)

४) कवि ने भारत को 'पुण्यभूमि' और 'स्वर्ण भूमि' के विशेषणों से क्यों संबोधित किया है ? समझाकर लिखिए। (३)

प्रश्न १०. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

"कमरी थोरे दाम की, बहुतै आवै काम।
खासा मलमल वाफ्ता, उनकर राखै मान, बँद जहँ आड़े आवै।
बकुचा बाँधे मोटे, राति को झारि बिछावै।
कह 'गिरिधर कविराय' मिलत है थोरे दमरी ।
सब दिन राखै साथ, बड़ी मर्यादा कमरी।।"

१) 'थोरे दाम से कवि क्या बताना चाहता है ? थोरे दाम में क्या आता है ? उसे रखने की सलाह कवि क्यों दे रहा है ? (२)

२) 'मान' किसे कहते हैं ? कौन, किसका मान किस प्रकार रखता है ? मनुष्य का अपना मान किससे होता है ? (२)

३) 'बंद जहँ आड़े आवे' में कमरी की क्या उपयोगिता है ? उसके और कौन- कौन से गुण है ? स्पष्ट कीजिए। (३)

४) अर्थ लिखिए —— (३)

मलमल, बकुचा, मोट , झारि, आड़े आना, दमरी